प्रव्रजकों के लिये ग्रामोद्योग

213. **श्री राम सहाय :** क्या **पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग ने पाकिस्तान से आये व्यक्तियों के लिये मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आसाम में अब तक कितने ग्रामोद्योग स्थापित किये है ?

†[VILLAGE INDUSTRIES FOR MIGRANTS

213. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of REHABILITATION be pleased to state the number of village industries which have so far been set up by the Khadi and Village Industries Commission in Madhya Pradesh, Maharashtra and Assam for persons who have migrated from Pakistan?]

पुनर्वास मन्त्री (श्री महावीर त्यागी) : पूर्वी पाकिस्तान से आने वाले विस्थापितों के पुनर्वास के लिये खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग द्वारा माना, मध्य प्रदेश में निम्नलिखित औद्योगिक खण्ड स्थापित किये है :—

(1) चमड़ा;
(2) फाईबर (रेशा);
(3) अम्बर चरखा ; और
(4) बढ़ईगीरी ।

वर्तमान कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण तथा उत्पादन दोनों ही होंगे ।

२. महाराष्ट्र तथा आसाम मे आयोग द्वारा स्थापित किये गये खण्डों के बारे में जानकारी एकत्रित की जा रही है ।

†[THE MINISTER OF REHABILITATION (SHRI MAHAVIR TYAGI): The following industrial units have been set up by the Khadi and Village Industries Commission at Mana in Madhya Pradesh for the rehabilitation of migrants from East Pakistan:—

(1) Leather;
(2) Fibre;
(3) Ambar Spinning; and
(4) Carpentry.

The present programme covers both training and production.

2. Information in regard to units set up by the Commission in Maharashtra and Assam is being collected.]

मत्स्य पालन की आदर्श योजनाएं

214. **श्री राम सहाय :** क्या **पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पाकिस्तान से आये विस्थापित व्यक्तियों के लिये जो मत्स्य पालन की आदर्श योजनाये, राज्यो को उनके विचारार्थ भेजी गई थी ; उनकी बाबत क्या उनके उत्तर आ गये है; और यदि हां, तो वे उत्तर क्या हैं और वे योजनायें कब से क्रियान्वित होंगी ?

†[MODEL SCHEMES OF FISHERIES

214. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of REHABILITATION be pleased to state whether the replies of the State Governments have been received on the model schemes of fisheries for displaced persons from Pakistan, which were sent to them for their consideration; and if so, what are the details of the replies and when will the schemes be implemented?]

पुनर्वास मन्त्री (श्री महावीर त्यागी) : नये निर्माण किये गये जलाशयों तथा बाधों में गहरे तथा फैले हुए जल में मछली पकड़ने की संभाव्यताओं के बारे में राज्य सरकारों को पिछले वर्ष परिपत्र भेजे गये थे । अभी तक जो उत्तर प्राप्त हुए हैं उनसे यह प्रतीत होता है कि केरल, जम्मू तथा काश्मीर, दिल्ली, मनीपुर, त्रिपुरा और गोआ में ऐसी मत्स्य योजनाओं के लिये वर्तमान में क्षेत्र अत्यन्त सीमित हैं । गुजरात ने यह बताया है कि इसके कुछ जलाशयों मे 60 मन से

†[ ] English translation.